अब वेब पर भी www.rashtriyaprastavana.com | उत्तर प्रदेश (लखनऊ एवं आगरा) व उत्तराखण्ड से एक साथ प्रकाशित प्रमुख समाचार पत्र | आर.एन.आई. नं. -यूपीएचआईएन/2011/37605

दैनिक
राष्ट्रीय प्रस्तावना
गाँव से गवर्नेन्स तक

लखनऊ, रायबरेली, इलाहाबाद, आजमगढ़, झांसी, एटा, औरैया, अमेठी, बलरामपुर, फतेहपुर, बांदा, उन्नाव, लखीमपुर, मुरादाबाद, कन्नौज, बाराबंकी, सीतापुर, जौनपुर, उरई, जालौन, फिरोजाबाद, हरदोई, मथुरा, कानपुर, गोण्डा सहारनपुर, नोयडा सहित प्रदेश के समस्त क्षेत्रों में बहुप्रसारित

वर्तमान जलवायु की अप्रत्यासित घटनाएँ

डॉ. भरत राज सिंह

यह सुनकर आप को अजीब सा लगेगा कि दुनिया का सबसे बड़ा रेगिस्तान, बर्फिस्तान बन गया । यह बात सहारा मरुस्थल की है जिसे देखकर मौसम विज्ञानियों के भी पसीने छूट रहे हैं । इस

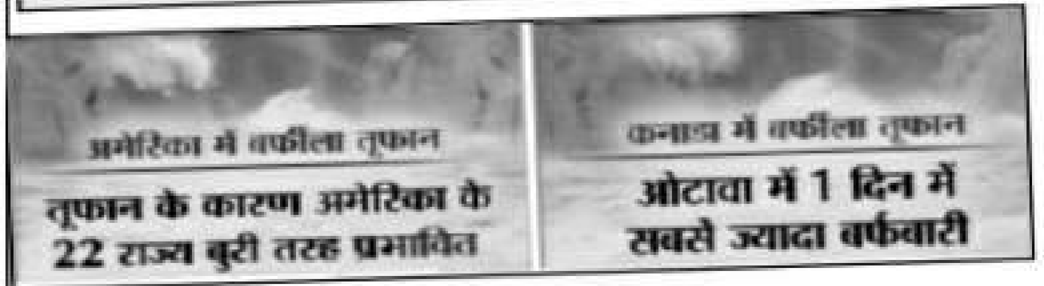

शिमला की 2015 व 2016 की स्थितियां

विशाल रेगिस्तान में चारों तरफ बर्फ ही बर्फ जम गई है ।अब सऊदी अरब जो रेगिस्तान में बसा है, जहां बूंद.बूंद पानी के लिए मीलों सफर करना पड़ता है । वहां ऐसी बर्फबारी हुई कि पहाड़ के पहाड़ सफेद हो गए द्य सड़कों पर बर्फ का अंबार लग गया, ऐसा कैसे हो गया।

रूस का सबसे ठंडा इलाका साइबेरिया, जहां साल भर बर्फ रहती है, लेकिन, इस बार आसमान से ऐसी बर्फबारी हुई कि 83 सालों का रिकॉर्ड टूट गया। पारा माइनस 62 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। आखिर ऐसे बदलाव की वजह क्या है। दुनिया का सबसे बड़ा रेगिस्तान क्यों और कैसे बन गया बर्फिस्तान।

धरती पर अब तक का सबसे बड़ा बर्फ घोटाला हुआ है । एक ऐसा बर्फ घोटाला जिसने पूरी दुनिया के लिए सबसे बड़ा संकट खड़ा कर दिया है । हम इसे बर्फ घोटाला इसलिए कह रहे हैं। क्योंकि धरती पर हवा और पानी की तरह बर्फ भी बेहिसाब है । इतना ज्यादा जिसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते पर कुदरत की ये अनमोल संपदा लगातार समाप्त होती जा रही है। क्या है ये बर्फ घोटाला, कौन है इसका जिम्मेदार। ये सिर्फ एक कयास नहीं दुनिया के लिए अब तक की सबसे खतरनाक चेतावनी है। एक ऐसी

चेतावनी जिसे नजरअंदाज करना इस धरती के लिए महाविनाश की वजह बन सकता है। सर्दियों का मौसम हमेशा के लिए गायब हो जाएगा और ये धरती किसी रेगिस्तान की तरह झुलसने लगेगी ।

इसका मकसद आपको डराना नहीं बल्कि आगाह करना है। कुदरत की सबसे बड़ी अनहोनी से बचाना है द्य क्योंकि धरती के सबसे बड़े बर्फिस्तान में जो महासंकट आया है। उसकी मार से दुनिया में कोई नहीं बच पाएगा। क्या है ये महासंकट और इससे दुनिया को कितना बड़ा खतरा है जो इस धरती पर मंडरा रहे उस महासंकट का सबसे बड़ा सबूत हैं, जिसने हिंदुस्तान से लेकर अमेरिका तक सबके होश उड़ा दिए हैं। ये अंतरिक्ष से ली गई सैटेलाइट इमेज है । वही आर्कटिक जिसे हम उत्तरी ध्रुव के नाम से जानते हैं द्य जहां सालों पर बर्फ का बसेरा रहता है द्य इतनी ज्यादा बर्फ कि उसमें पूरी धरती समा सकती है द्य पर उस आर्कटिक सागर की अब क्या हालत हो गई है । ये तस्वीरें दुनिया के सबसे बड़ी स्पेस एजेंसी नासा ने धरती से सैकड़ों किलोमीटर ऊपर अंतरिक्ष से ली हैं द्य ये भयानक हलचल उसी आर्कटिक जोन में हो रही है। जिसे धरती का सबसे बड़ा बर्फिस्तान अर्थात आर्कटिक समुद्र कहते हैं ।

सफेद सफेद सी दिख रही ये चीज दरअसल बर्फ की वो मोटी चादर है, जो पानी.पानी होकर महासागरों में विलीन होती जा रही है द्य कहने का मतलब ये धरती पर मौजूद बर्फ का सबसे बड़ा भंडार ग्लेशियर की मोटी मोटी चट्टानें अब खत्म होने की कगार पर पहुंच गया है । जिसके चलते पूरी दुनिया के वजूद पर संकट खड़ा हो गया है । कैसे वो इस सैटेलाइट इमेज से समझिएए नॉर्थ पोल पर पिघल रही बर्फ किस तरह दुनिया के महासागरों को और ज्यादा भरती जा रही है द्य कुछ इस तरहए इसकी जद में दुनिया के करीब तमाम देश हैंए हिंदुस्तान भी अछूता नहीं रहेगा।

प्रोफ0 भरत राज सिंह ने इस प्रकार की घटनाओं की जानकारी दुनिया को वर्ष 2012 से 2015 के बीच प्रकाशित अपनी किताबों के माध्यम दे रखी थी और सभी को आवश्यक कदम उठाने के लिए आगाह भी कर रखा था ।